• शुभ है..

मोती धारण करना...

ज्योतिष की रत्न शाखा में चन्द्रमा के लिए मोती को निश्चित किया गया है जिसे हम पर्ल नाम से जानते हैं। मोती एक प्रकार से चन्द्रमा का प्रतिरूप होता है। इसमें चन्द्रमा के गुण विद्यमान होते हैं। मोती श्वेत रंग की आभा से पूर्ण शीतल प्रभाव रखने वाला एक सौम्य प्रवृत्ति का रत्न है। कुंडली में चन्द्रमा कमजोर या पीड़ित होने पर मोती धारण करने की सलाह दी जाती है। मोती धारण करने से मन एकाग्र होता है। नकारात्मक सोच, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं में भी मोती धारण करने से लाभ होता है। मोती सभी व्यक्तियों के लिए शुभ हो ऐसा जरूरी नहीं है। अनेक स्थितियों में मोती व्यक्ति के लिए मारक रत्न का कार्य भी कर सकता है और इससे स्वास्थ्य कष्ट, बीमारियां, दुर्घटनाएं और संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे में बिना विशेषज्ञ की सलाह के मोती कभी भी धारण ना करें।

लग्न अनुसार मोती धारण : समान्यत: मेष, कर्क, वृश्चिक और मीन लग्न के जातकों के लिए मोती धारण शुभ है। इसके अलावा वृष, मिथुन, कन्या, तुला और मकर लग्न के लिए मध्यम है अत: इन लग्नों में भी विशेषज्ञ से परामर्श के बाद ही मोती धारण किया जा सकता है,

परंतु सिंह, धनु और कुम्भ लग्न की कुंडली होने पर मोती कभी नहीं धारण करना चाहिए अन्यथा यह हानिकारक हो सकता है और इसके विपरीत परिणाम भी मिल सकते हैं। व्यक्ति की आयु, भार तथा कुंडली में चन्द्रमा की स्थिति का पूरा विश्लेषण करने पर मोती के भार को निश्चित किया जाता है। हालांकि स्थूल रूप से 25 वर्ष से कम आयु होने होने पर सवा पांच रत्ती, 25 से 50 वर्ष आयु के मध्य सवा सात रत्ती तथा 50 वर्ष से ऊपर सवा नौ रत्ती वजन का मोती धारण किया जाता है। कुंडली में चन्द्रमा कितना कमजोर या पीड़ित स्थिति में है, इससे भी मोती की क्वांटिटी पर प्रभाव पड़ता है।

मोती धारण विधि: मोती को चांदी की अंगूठी में बनवाकर सीधे हाथ की कनिष्ठा या अनामिका उंगली में धारण कर सकते हैं।

• क्या करेगा...

बुध का राशि परिवर्तन...

बुध सभी नवग्रहों में बहुत खास है। बुध की कृपा से ही जातक विद्वान होता है, उसकी तर्क क्षमता मजबूत होती है, संचार कौशल में बढ़ता है। शनिवार, 9 मई को बुध राशि बदलकर मेष से वृष में प्रवेश कर रहा है। वृष राशि में बुध 24 मई तक रहेगा। ये बुध के शत्रु शुक्र के स्वामित्व वाली राशि है। जानिए सभी 12 राशियों के लिए ये राशि परिवर्तन कैसा रहने वाला है।

मेष राशि- बुध राशि से द्वितीय हो रहा है। ये शुभ योग बनाएगा। धन संबंधी कामों में राहत मिलेगी। परेशानियां दूर होंगी।

वृष राशि- आपके लिए बुध शुभ स्थिति में रहेगा। नौकरी में उन्नति हो सकती है। घर-परिवार और समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

मिथुन राशि- ये समय परेशानियां बढ़ाने वाला रहेगा। द्वादश बुध आर्थिक मामलों में बाधाएं उत्पन्न करेगा। सावधान रहें। जोखिम लेने से बचें।

कर्क राशि- इस राशि के लिए बुध एकादश हो रहा है। इस वजह से कार्यों में बढ़ोतरी हो सकती है। मनचाहे काम पूरे हो सकेंगे। शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह राशि- इन लोगों के बुध दशम रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अटके काम पूरे होंगे। धन संबंधी कामों में गति आ सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि- इस राशि के लिए नवम बुध सुख में वृद्धि करने वाला रहेगा। पुराने विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके काम फिर से शुरू हो सकते हैं।

तुला राशि- इस राशि के लिए अष्टम बुध परेशानियां बढ़ा सकता है। धैर्य से काम करें। सावधान रहेंगे तो हानि से बच सकते हैं। विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि- आपके लिए बुध की सप्तम स्थिति सामान्य फल देने वाली रहेगी। अपने काम के अनुसार फल प्राप्त करेंगे। मेहनत करने में पीछे न हटें।

धनु राशि- षष्ठम बुध लाभ के योग बना सकता है। शत्रुओं की पराजित कर पाएंगे। परिवार से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। समय पक्ष का रहेगा।

मकर राशि- इस राशि के बुध पंचम रहेगा। प्रभाव में वृद्धि होगी। सभी ओर से सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। धन में बढ़ोतरी हो सकती है।

कुंभ राशि- अनावश्यक चिंताएं बढ़ सकती हैं। चतुर्थ बुध के कारण नुकसान हो सकता है। विवादों से बचने की कोशिश करें। सावधान रहेंगे तो अच्छा रहेगा।

मीन राशि- इस राशि के लिए तृतीय बुध पक्ष का रहेगा। नए काम कर पाएंगे। बाधाओं से मुक्ति मिलेगी। कार्यों में सफलता के साथ सम्मान मिलेगा।

मूलांक या भाग्यांक के अनुसार वाहन...

मूलांक उन लोगों के लिए एक सटीक आधार है। अपने बारे में जानने का और भविष्य में घटने वाली घटनाओं का अनुमान लगाने का अंक ज्योतिष एक सरल माध्यम हो सकता है।

मूलांक का अर्थ है आपके जन्म की तारीख। यानि यदि आपका जन्म 2 मार्च को हुआ है तो आपका मूलांक 2 होगा। मूलांक हमारे स्वभाव, प्रकृति, गुण,दोष आदि के बारे बताता है...

मूलांक और भाग्यांक हमारी लाइफ में बड़ा महत्व रखते हैं। कई बार हमें जन्म का समय या स्थान मालूम नहीं होता। ऐसे में कुंडली बना पाना कठिन हो जाता है। मूलांक उन लोगों के लिए एक सटीक आधार है। अपने बारे में जानने का और भविष्य में घटने वाली घटनाओं का अनुमान लगाने का अंक ज्योतिष एक सरल माध्यम हो सकता है। मूलांक का अर्थ है आपके जन्म की तारीख। यानि यदि आपका जन्म 2 मार्च को हुआ है तो आपका मूलांक 2 होगा। मूलांक हमारे स्वभाव, प्रकृति, गुण,दोष आदि के बारे बताता है। हमारे लिए जीवन में क्या उपयोगी है और क्या अनुपयोगी, यह मूलांक से ही जाना जाता है। यह आपके मित्र और शत्रुओं के बारे में भी बताता है।आपके करियर, जीवनसाथी, कार्यक्षेत्र और भाग्योदय की भी जानकारी देता है। मूलांक 1 से 9 तक माने जाते हैं। जिन लोगों का जन्म 9 से अधिक संख्या वाली तारीख को हुआ है वे अपने जन्मदिनांक को आपस में जोड़कर मूलांक पा सकते हैं। जैसे जिनका जन्म 11 तारीख को हुआ है उनका मूलांक 2 होगा। (1+1=2)। इसी तरह अन्य मूलांक आपस में जोड़कर निकाले जा सकते हैं।

भाग्यांक की गणना थोड़ी विस्तृत होती है। यह वह अंक होता है जो आपके जीवन में बार-बार किसी न किसी तरह आता ही है और आपको अच्छे या बुरे रूप में प्रभावित करता है। भाग्यांक का उपयोग महत्वपूर्ण घटनाओं का समय या तिथि जानने के लिए किया जाता है। आजकल जो नाम का अक्षर बदलने का चलन चल रहा है, वह भी भाग्यांक के ही आधार पर किया जाता है। भाग्यांक निकलने के लिए जन्म तारीख, माह और सन लिखा जाता है और फिर उनका योग किया जाता है। जैसे यदि आपकी जन्म तारीख, माह व सन 2-3-1970 है तो आपका भाग्यांक 2+3+1+9+7+0 =22 = 2+2 = 4 होगा। यानि इस पूरी डीटेल्स के लिए भाग्यांक 4 होगा।

- यदि आपका मूलांक या भाग्यांक एक है। इस अंक के स्वामी सूर्य हैं। आपको पीले, सुनहरे या क्रीम रंग का वाहन खरीदना चाहिए। नीले, भूरे, बैंगनी या काले रंग का वाहन ना खरीदें तो बेहतर रहेगा।
- मूलांक या भाग्यांक दो वाले जातकों को लाल या गुलाबी रंग का वाहन खरीदने की बजाय सफेद अथवा हल्के हरे रंग का वाहन रखना चाहिए। दो अंक के स्वामी चंद्रमा हैं।
- जिन जातकों का मूलांक या भाग्यांक तीन है उनके वाहन का रंग पीला, बैंगनी, नीला या गुलाबी हो सकता है, लेकिन हल्के हरे, सफेद या भूरे रंग का वाहन खरीदने से इन्हें बचना चाहिये। तीन अंक के स्वामी गुरु ग्रह बृहस्पति हैं।
- मूलांक या भाग्यांक चार वाले जातकों के वाहन का रंग नीला या भूरा हो सकता है। गुलाबी या काले रंग का वाहन आपके लिए शुभ नहीं कहा जा सकता। चार अंक राहू का अंक माना जाता है।
- पांच अंक वाले जातकों के लिए पीले, गुलाबी या काले रंग के वाहन अशुभ हो सकते हैं। आपको हल्के हरे, सफेद या भूरे रंग का वाहन रखना चाहिये। पांच अंक के स्वामी बुध माने जाते हैं।
- जो जातक छह, 15, या 24 तारीख को जन्मे हैं यानी जिनका मूलांक या भाग्यांक छह बनता है, उनके हल्के नीले, गुलाबी या पीले रंग के वाहन शुभ रहेंगे। काले रंग का वाहन बिल्कुल भी न खरीदें। छह अंक का प्रतिनिधित्व शुक्र करते हैं।

• कैसे पाएं...

लंबी बीमारी से निजात...

लंबी बीमारी पीड़ित व्यक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार पर भारी पड़ती है। ऐसे में उपचार के साथ वास्तु के कुछ उपाय इससे छुटकारा दिलाने में मदद कर सकते हैं। बीमार व्यक्ति के पैर निकास द्वार, खिड़की, टॉयलेट और सीढ़ियों की तरफ नहीं, बल्कि कमरे की दीवार की ओर होने चाहिए। मरीज का पलंग बीम के नीचे नहीं होना चाहिए। यदि बीमार व्यक्ति एक ही कमरे में लंबे समय से है तो उसे दूसरे कमरे में स्थानांतरित कर देना चाहिए। प्रवेश द्वार के सामने कोई भी भारी सामान नहीं रखें। उत्तर–पूर्व और उत्तर–पश्चिम दिशा से हवा और रोशनी के घर में प्रवेश की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। शौचालय के साथ भंडार घर नहीं बनाना चाहिए। इससे परिवार के सदस्य पेट संबंधी परेशानियों/विकारों से ग्रस्त रहते हैं।रोगी का कमरा अव्यवस्थित नहीं होना चाहिए। उसके कमरे में अनावश्यक सामान इकट्ठा नहीं होने दें, इससे आकाश तत्व का स्थान कम होता है और बीमारी ठीक होने में वक्त लगता है।

• शुभ– अशुभ..

अनजाने में हम ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे नकारात्मक ऊर्जा घर में हावी हो जाती है। जैसे बाथरुम और टॉयलेट के दरवाजें हमेशा बंद करके रखें, वहीं इनके दरवाजे बंद करते समय ज्यादा आवाज भी नहीं करनी चाहिए। आपको घर में कांटेदार पौधे लगाने से बचना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में सुख–शांति भंग होती है। जिस कमरे में आपने कीमती सामान रखा है, वहां झाड़ू रखने से परहेज करें। वहीं, झाड़ू को कूड़े के पास न रखते हुए झाड़ू के लिए भी सही जगह निर्धारित करनी चाहिए।